

18.12.24

पत्रावली पेश हुई। न्यायालय सभ्य में अधिवक्ता वादी व वादीगण के नाग से अलग-अलग सभ्य पर तीन बार आवाज दिलाई गई।

इससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि अधिवक्ता वादी एवं वादीगण अपने वाद को लेकर गंभीर नहीं हैं।

लिहाजा वादी का वाद 'अदम पैरवी' व 'अदम हाजिरी' में इसी स्तर पर खींचा किया जाता है।

पत्रावली फैसल शुमार होकर दारिखल दफतर हो व नंबर से कम हो।

वी.के.ए.  
18/12/24  
सहायक कल  
(फास्ट ट्रेक) बाउना

